परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9407453066

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष -
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलंचद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन शुल्क (B&W)

अंतिम पेज	6000/-
फुल पेज (अंदर)	5000/-
1/2 पेज	3000/-
1/4 पेज	1500/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	200/-

ललितपुर समाज द्वारा क्रय भूमि पर भूमि पूजन, क्षमावाणी एवं वार्षिकोत्सव आनंदपूर्वक संपन्न

राकेश कुमार जैन (डब्लू), ललितपुर । श्री दि. जैन गोलालारीय समाज (रजि) ललितपुर द्वारा क्रय की गयी भूमि पर भूमि पूजन क्षमावाणी तथा वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष श्री मुन्नालालजी एडवोकेट ने की मुख्य अतिथियों के रूप में सदर विधायक रमेश कुशवाहा श्री दिगम्बर जैन पंचायत समिति के अध्यक्ष अनिल अंचल मंत्री डॉ. अक्षय टडैया तथा संयोजक प्रदीप सतरवांस एवं वरिष्ठ समाज श्रेष्ठी समिति संरक्षक सेठ श्री चम्पालाल नौहरकलां व डॉ. श्रीमती अरुणा उपस्थित रहे । भगवान आदिनाथ के चित्र अनावरण तथा दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ मंत्री श्री अनिल नारियल ने पिछली सभा की कार्यवाही को पढ़कर सुनाया जिसे सर्वसम्मति से पास कर दिया गया संस्था अध्यक्ष ने इन्दौर से प्रकाशित पत्रिका प्रयास के बारे में सभी को जानकारी दी और अधिक से अधिक अपने विवाह योग्य पुत्र पुत्रियों का नामांकन पत्रिका में कराने का अनुरोध किया । माननीय विधायक तथा अतिथियों के साथ संस्था पदाधिकारियों के करकमलों से क्रय की गयी भूमि का भूमि पूजन किया गया, साथ ही साधारण सभा द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि क्रय की गयी भूमि से लगी और भूमि को क्रय कर लिया जाय ताकि अच्छे भवन का निर्माण हो सके । इस बाबत सदर विधायक द्वारा समिति को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया । समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने अपने विचार प्रकट कर कमेटी को बधाई दी तथा और भूमि क्रय करने के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की । इस अवसर पर महिलाओं द्वारा रंगोली, मेहंदी तथा भजन

प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसका संचालन श्रीमती नम्रता पत्नी अंकित, एड श्रीमती निधि पत्नी पंकज मेडिकल, श्रीमती नेहा पत्नी अभिषेक कडेसरा द्वारा किया गया। सभी प्रतियोगियों को पारितोषिक व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समाज के प्रतिभाशाली बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये जिसकी उपस्थिति साधर्मीजनों ने काफी सराहना की। वर्ष 2014-15 के मेघावी छात्रों को प्रमाण पत्र व आकर्षक उपहार से सम्मानित किया गया। समिति द्वारा संस्था के संरक्षकों का प्रमाण पत्र व शाल भेंट कर सम्मान किया गया। अंत में संस्था के मंत्री द्वारा सभी का आभार व्यक्त किय गया, कार्यक्रम का संचालन जिनेन्द्र बिरधा द्वारा किया गया जिसमें सहयोग अंकित एड तथा राकेश ने किया । तत्पश्चात समाजजनों ने सपरिवार स्नेहभोज का आनंद लिया ।

पावागिरीजी में धार्मिक अनुष्ठानों की धूम - क्षमावाणी पर्व मनाया गया

विशाल जैन पवा तालबेहट । स्वर्णभद्रादि मुनिराजों की निर्वाण स्थली सिद्ध क्षत्र पावागिरीजी सहित कस्बे के दोनों जैन मंदिरों में राष्ट्रसंत आचार्य प्रवर विद्यासागरजी महाराज के मंगलमय आशीर्वाद से चातुर्मास काल की बेला के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किये गये । अष्टान्हिका महापर्व में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन धीरज भैयाजी राहतगढ़ के नेतृत्व में किया गया। कुलदीप जैन एण्ड पार्टी भोपाल के मधुर संगीत में श्रद्धालुओं ने अर्घ चढ़ाकर पुण्यार्जन किया । इसके पूर्व प्रतिष्ठाचार्य अनुमति त्याग प्रतिमाधारी बाल ब्रह्मचारी श्रद्धेय अशोक भैयाजी उदासीन आश्रम इन्दौर के दिशा निर्देशन में वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया गया। नीलेश जैन एण्ड पार्टी के मधुर संगीत में विधिपूर्वक कर्मो की निर्जरा के लिए अर्घ चढ़ाये एवं हवन में आहूतियां दी । कार्यक्रम में आयोजित भजन प्रतियोगिता के अंतर्गत सीनियर कु. विभा वीरेन्द्रकुमार बामौर, जूनियर में कु. अनमोल प्रवीणकुमार कडेसरा एवं पूजन थाल सजाओ प्रतियोगिता में श्रीमती कांति जयकुमार पवैया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । दशलक्षण महापर्व के सभी दिन धर्म प्रभावना होती रही, सुबह से ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर उमेश भैयाजी सांगानेर के निर्देशन में अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन का आनंद लिया । इस अवसर वक्ताओं ने कहा कि किंञ्चित भी परिग्रह न करना आकिञ्चन धर्म कहलाता है तथा अपने शील की रक्षा करते हुए ब्रह्मचर्य की साधना की जाती है । आत्मा का कल्याण करने के लिए हमें संयम से रहना होगा, संयम के बिना जीवन पशु के समान है । चारों कषाय को छोड़कर सत्य को धारण करना पहला महाव्रत है। चारों कषाय पांच महापापों का उद्गम हैं, अत: हमें क्रोध, अभिमान, मायाचारी और लोभ को छोड़कर सत्य और संयम को धारण करना चाहिए । तप और त्याग के बिना मानव का कल्याण संभव नहीं है, तप और त्याग के द्वारा हमारी कलुषित आत्मा निर्मल होती है । जिसमें इच्छाओं को सीमित करना पड़ता है । राग को कम करना त्याग एवं पात्र व्यक्ति को आहार, औषधि और शास्त्रादि देना दान कहलाता है । रात्रि में महाआरती के कार्यक्रम के अंतर्गत लकी जैन एण्ड पार्टी गढ़ाकोटा के मधुर संगीत में श्रद्धालु प्रभु की भक्ति में झूम उठे तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यासागर पाठशाला के छोटे छोटे बच्चों ने ने अपने हुनर से सभी को प्रभावित किया । सिद्ध क्षेत्र पावागिरी में दशलक्षण महापर्व समापन पर मंगलवार को क्षमावाणी महापर्व पं. विनोदकुमार शास्त्री के नेतृत्व में धूमधाम से मनाया गया, जिसके अंतर्गत सुबह से ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मूलनायक भगवान पारसनाथ स्वामी का अभिषेक पूजन किया । मुख्य कार्यक्रम दोपहर की बेला में आयोजित किये गये, जिसमें मंगलाचरण के बाद आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र का अनावरण, द्वीप प्रज्जवलन, शिखरों पर ध्वजारोहण, कलशाभिषेक एवं फूलमाला का आयोजन किया गया । वक्ताओं ने कहा कि हमें जीवन में क्षमा को धारण करना चाहिए, क्रोध सभी पापों की जड़ है, क्षमा मांगना और क्षमा कर देना दोनों श्रेष्ठ है । गलती करना मानव का स्वभाव है लेकिन यदि उससे सीख न ली तो कभी भी हमारा कल्याण नहीं हो सकता । और यदि पहली बार में ही गलती से सीख ले ली जाये तो गलती करना सफलता का सूत्र बन सकता है, सही निर्णय लेना हमारी सफलता का राज है, अनुभव से सही निर्णय लेना सीखते हैं और अनुभव हमें गलतियों से ही मिलता है । सभी ने पयूर्षण पर्व में दस धर्मों की आराधना के द्वारा आत्मा को पवित्र बनाया है, अब हमें बैर को मिटाने के लिए जीवन में की हुयी गलतियों के लिए क्षमा मांगकर क्षमावाणी महापर्व को सार्थक बनाना है । कस्बे में पयूर्षण पर्व के समापन पर सोमवार को श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी, विमानोत्सव के कार्यक्रम में पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिरजी से श्रीजी की शोभा यात्रा प्रारम्भ हुयी जिसमें सबसे आगे तैलीय चित्रों की झांकी, धर्मावलंबी धर्म ध्वजा लेकर एवं उनके पीछे श्रद्धालु वीर सेवा दल के साथ डीजे बैंड बाजों की धुन पर झूमते नाचते हुए चल रहे थे । रास्ते में सभी भक्तों ने अपने द्वारों पर श्रीजी आरती उतारी एवं युवा जागृति मंच के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया । पं. विजय कृष्णा शास्त्री के नेतृत्व में ध्वजारोहण, कलशाभिषेक एवं फूलमाला का आयोजन किया गया । तत्पश्चात सभी ने गतवर्ष में हुयी गलतियों के लिए एक दूसरे से क्षमा मांगी एवं गले मिलकर क्षमावाणी पर्व मनाया । रात्रि में भजन संध्या एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, मटकी फोड़ प्रतियोगिता में श्रीमती रश्मि चौधरी एवं मयूर चौधरी विजयी रहे । सीनियर फैन्सी ड्रेस एवं अभिनय प्रतियोगिता में कु. दीक्षा चौधरी प्रथम, रश्मि चौधरी एवं शिखा मोदी द्वितीय, प्रीति मोदी एवं प्रिंस आकृति पारौन तृतीय स्थान पर रहे । भजन प्रतियोगिता में कु. अंकिता चौधरी प्रथम, कु. दीक्षा चौधरी एवं आकृति पारौन द्वितीय, कु. विभा एवं कु. सेवी चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किये । जूनियर फैन्सी ड्रेस एवं अभिनय प्रतियोगिता में कु. परी मोदी प्रथम, मिठया पर्वराज एवं अंश जैन द्वितीय, अंश मोदी एवं संभव चौधरी तृतीय स्थान पर रहे । गरबा नृत्य के अंतर्गत सभी प्रतिभागियों ने सुंदर प्रस्तुति दी एवं सभी प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया । संचालन ज्ञानचंद्र पुरा, चौधरी चक्रेश जैन एवं अनिल जैन बबीना ने किया ।